निम्नलिखित पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

पर जो कपड़े नहीं सिएगा

सपने भी नहीं देख सकेगा

सुई की चमकीली नोक पर

टिकी है आजादी।

निम्नलिखित कविता को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

हम पंछी उन्मुक्त गगन के

पिंजर बद्घ न गा पाएंगे

कनक तीलियों से टकराकर

पुलकित पंख टूट जाएंगे

स्वर्ण- श्रृंखला के बंधन में

अपनी गति उड़ान सब भूले

बस सपने में देख रहे हैं

तरु की फुनगी पर के झूले।

1. पंछी पिंजरबद्घ होकर क्यों नहीं गा पाते?
2. पंछी पंख टूटने की आशंका क्यों जताता है?
3. पंछी सपने में क्या देखता है?
4. इन पंक्तियों का कोई उपयुक्त शीर्षक लिखिए।